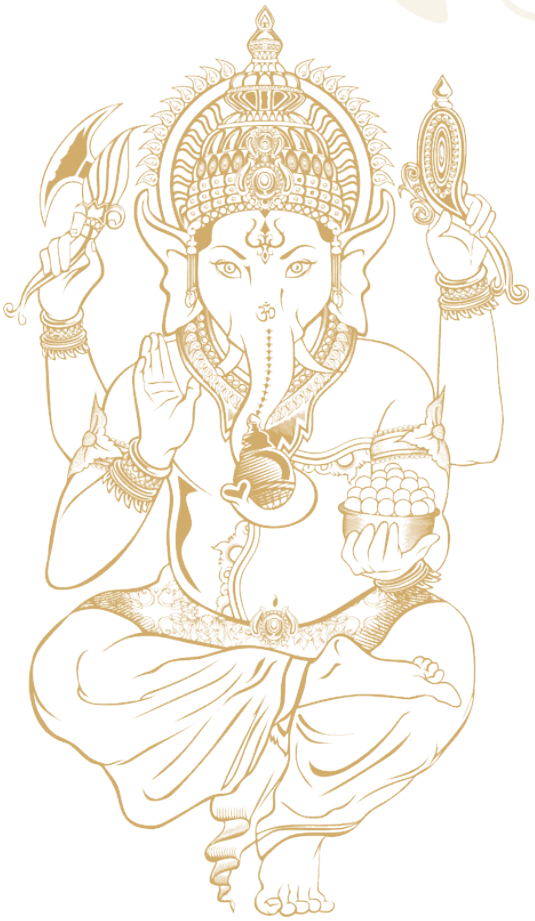

Vasvi Shukla

21 Sep 2007

02:22 PM

Allahabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121716905

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/09/2007**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**14:22:00 घंटे**
इष्ट	21:18:15 घटी
स्थान	**Allahabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	81:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:19:20 घंटे
वेलान्तर	00:06:42 घंटे
साम्पातिक काल	14:18:46 घंटे
सूर्योदय	05:50:41 घंटे
सूर्यास्त	18:00:44 घंटे
दिनमान	12:10:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:02:14 कन्या
लग्न के अंश	28:04:28 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	28:04:28	371:53:47	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	04:02:14	00:58:38	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			धनु	23:20:00	12:48:54	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	02:23:21	00:29:51	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	28:40:54	01:15:03	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			वृश्चि	18:57:07	00:07:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	25:29:54	00:25:41	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	08:20:50	00:07:08	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	12:56:25	00:01:20	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु			सिंह	12:56:25	00:01:20	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	22:17:05	00:02:20	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप	व		मक	25:42:36	00:01:11	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:23:06	00:00:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	13:04:06	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:01

लग्न-चलित

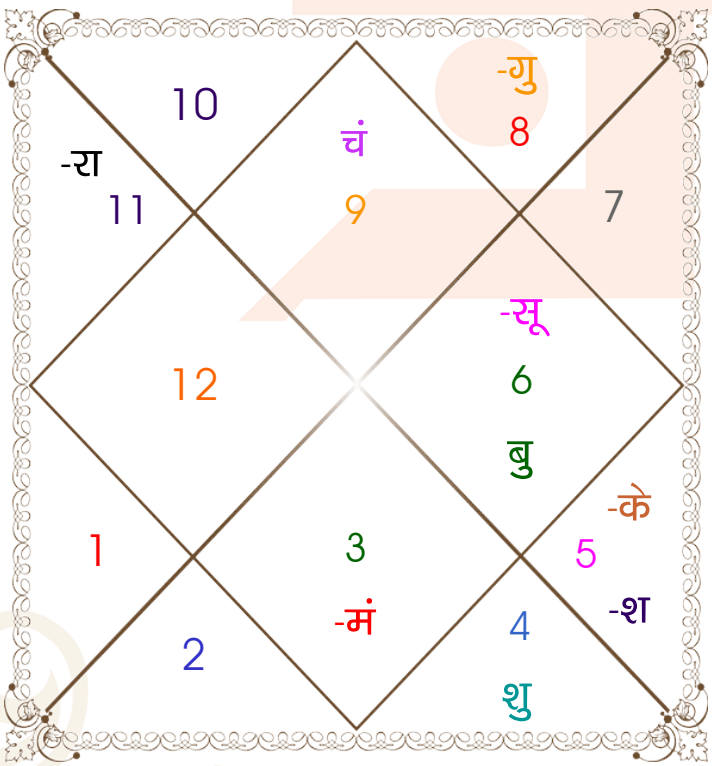

चन्द्र कुंडली

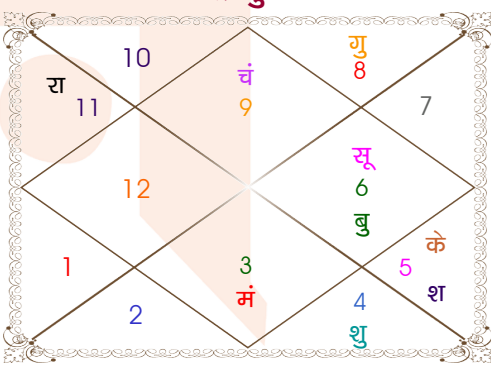

नवमांश कुंडली

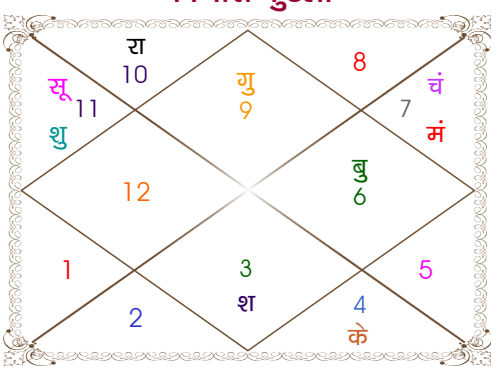

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 5 वर्ष 0 मास 0 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/09/2007		20/09/2012		21/09/2018		20/09/2028		21/09/2035	
20/09/2012		21/09/2018		20/09/2028		21/09/2035		21/09/2053	
	00/00/0000	सूर्य	08/01/2013	चंद्र	22/07/2019	मंगल	17/02/2029	राहु	03/06/2038
	00/00/0000	चंद्र	10/07/2013	मंगल	20/02/2020	राहु	07/03/2030	गुरु	27/10/2040
	00/00/0000	मंगल	14/11/2013	राहु	21/08/2021	गुरु	11/02/2031	शनि	03/09/2043
	00/00/0000	राहु	09/10/2014	गुरु	21/12/2022	शनि	22/03/2032	बुध	22/03/2046
	00/00/0000	गुरु	28/07/2015	शनि	21/07/2024	बुध	19/03/2033	केतु	10/04/2047
	21/09/2007	शनि	09/07/2016	बुध	21/12/2025	केतु	15/08/2033	शुक्र	10/04/2050
शनि	20/09/2008	बुध	16/05/2017	केतु	22/07/2026	शुक्र	15/10/2034	सूर्य	04/03/2051
बुध	22/07/2011	केतु	21/09/2017	शुक्र	22/03/2028	सूर्य	20/02/2035	चंद्र	02/09/2052
केतु	20/09/2012	शुक्र	21/09/2018	सूर्य	20/09/2028	चंद्र	21/09/2035	मंगल	21/09/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/09/2053		21/09/2069		20/09/2088		22/09/2105		21/09/2112	
21/09/2069		20/09/2088		22/09/2105		21/09/2112		00/00/0000	
गुरु	09/11/2055	शनि	23/09/2072	बुध	17/02/2091	केतु	18/02/2106	शुक्र	22/01/2116
शनि	22/05/2058	बुध	04/06/2075	केतु	14/02/2092	शुक्र	20/04/2107	सूर्य	21/01/2117
बुध	27/08/2060	केतु	12/07/2076	शुक्र	15/12/2094	सूर्य	26/08/2107	चंद्र	22/09/2118
केतु	03/08/2061	शुक्र	12/09/2079	सूर्य	22/10/2095	चंद्र	26/03/2108	मंगल	22/11/2119
शुक्र	03/04/2064	सूर्य	24/08/2080	चंद्र	22/03/2097	मंगल	22/08/2108	राहु	22/11/2122
सूर्य	20/01/2065	चंद्र	25/03/2082	मंगल	19/03/2098	राहु	09/09/2109	गुरु	23/07/2125
चंद्र	22/05/2066	मंगल	04/05/2083	राहु	07/10/2100	गुरु	16/08/2110	शनि	22/09/2127
मंगल	28/04/2067	राहु	10/03/2086	गुरु	12/01/2103	शनि	25/09/2111		00/00/0000
राहु	21/09/2069	गुरु	20/09/2088	शनि	22/09/2105	बुध	21/09/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 4 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आप जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगी। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानती हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देती हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगी। आप बहुत धन संग्रह करेंगी। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगी तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगी। जो आप पर विश्वास करेगा, आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगी। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहती हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगी क्योंकि वे आपकी कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपके संरक्षण की अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपने कुशल एवं प्रिय पति के साथ आनंद प्राप्त करेंगी तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगी। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगी। आपका घर अन्यों की अपेक्षा ईर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकती हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपको स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर ली तो आप रोग मुक्त हो सकती हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।